HW
24/7/21

ODM CONNECT APP HOMEWORK

अनुच्छेद लिखिए - भारतीय संस्कृति और परंपरा

Date
Page 1

भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति है। इसमे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है। जीने की कला हो या विज्ञान और राजनीति का क्षेत्र, भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है। अन्य देशों की संस्कृतियां तो समय की धारा के साथ-साथ नष्ट होती रही हैं किन्तु भारत की संस्कृति और परंपरा आदि काल से ही अपने परंपरागत अस्तित्व के साथ अजर-अमर बनी हुई है। संस्कृति का क्षेत्र सभ्यता से कहीं व्यापक और गहन होता है। सभ्यता का अनुकरण तो किया जा सकता है लेकिन संस्कृति का अनुकरण नहीं किया जा सकता है। भारतीय प्राचीन ग्रंथों में संस्कृति का अर्थ संस्कार से ही माना गया है। भारतीय प्राचीन ग्रंथों में भी अंग्रेजी शब्द कल्चर के समान संस्कृति शब्द का प्रयोग होने लगा है। संस्कृति का अर्थ हम भले ही कुछ निकाल लें किन्तु संस्कृति का संबंध मानव जीवन मूल्यों से है। भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि हजारों सालों के बाद भी यह अपने मूल स्वरूप में जीवित है। देवताओं की मान्यता, हवन और पूजा-पाठ की पद्धतियों की निरंतरता आज के समय तक अप्रभावित रही है। गीता और उपनिषदों के संदेश हजारों साल से हमारी प्रेरणा और क्रम का आधार रहे हैं। भारतीय संस्कृति

का मूल यंत्र आध्यात्मिकता है। यहाँ की संस्कृति में अनेकता में भी एकता स्पष्ट रूप से झलकती। गुरु का सम्मान भी हमारी परंपरा का ही एक रूप कहा जा सकता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार गुरु का स्थान और सम्मान भगवान से भी बढ़कर होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा का उद्देश्य मनुष्य का सामूहिक विकास है। उसमें 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव सर्वत्र विद्यमान हैं। एक राष्ट्र की संस्कृति उसके लोगों के दिल और आत्मा में बसी है, भारतीय संस्कृति और परंपरा स्वाभाविक रूप से शुद्ध है जिसमें प्यार, सम्मान, दूसरों की भावनाओं का मान-सम्मान और अहंकार रहित व्यक्तित्व अंतर्निहित है।